परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

विशेष सहयोगी सदस्य -

श्री विनोद कुमार जैन,
मंदाकिनी कालोनी, भोपाल

डॉ. अंश कुमार जैन, बछोड़ा

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, बबीना

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'सायकल वाले' - हमारे आधार स्तंभ

श्री राजेन्द्रकुमार जैन सायकलवाले एक व्यक्तित्व नहीं अपितु हमारी समाज के प्रेरणा कुंज रहे।

श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'दादा' का देवलोकगमन 8 जून को 84 वर्ष की दीर्घायु में इन्दौर में हो गया। वे समाज के उन व्यक्तित्वों में से एक थे जिनके अथक प्रयासों के कारण ही गोलालारीय समाज इन्दौर ने आज पूरे देश में नवीन ऊंचाइयों को छुआ हैं। दादा का व्यक्तित्व इस प्रकार का रहा हैं कि वे जिस काम की शुरुआत करते थे उसे पूर्ण लगन और समर्पण के साथ अंतिम परिणाम पहुंचाने तक आराम से नहीं बैठते थे।

मैं श्री राजेन्द्र दादा से वर्ष 1990 के आसपास जुड़ा, उस समय कुछ विपरीत परिस्थितियों के कारण इन्दौर गोलालारीय समाज का संगठन कमजोर हो गया था, उन प्रतिकूल परिस्थितियों में श्री राजेन्द्र दादा ने समाज की एक सहकारी संस्था खोलने का विचार कर उस प्रयास में मुझे सहभागी बनाया उसके बाद हम प्रत्येक रविवार को नगर के हर क्षेत्र में गोलालारीय परिवारों से सहकारी संस्था के सदस्य बनने हेतु संपर्क करने के लिए निकल जाते थे। यह अभियान कई महीनों तक निरंतर चलता रहा। समाज सदस्यों में विश्वास जगा कर उनको सहकारी संस्था के सदस्य बनने के लिए प्रेरित करते रहे, निर्धारित सदस्य संख्या पूरी होते ही वर्ष 1993 में देश की गोलालारीय समाज की पहली पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था का विधिवत रजिस्ट्रेशन हुआ। आपने इस संस्था को संस्थापक अध्यक्ष के रुप में 10 वर्षों तक सफलतापूर्वक संभालते हुए संस्था को नवीन ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जिसके माध्यम से अनेक सदस्यों ने आर्थिक सहयोग लेकर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया।

समाज के बिखराव को रोक कर संगठन को सुदृढ़ बनाने के लिए सर्वप्रथम न्यू देवास रोड स्थित 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर पर क्षमावाणी पर्व व इस पर्व में प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजन मनाने का निश्चय आपके साथ कुछ सदस्यों द्वारा संजोया गया, छोटे पैमाने से शुरू इस आयोजन ने कुछ वर्षों में ही अपनी अलग पहचान बना ली थी। 1996 में समाज को सुचारु रुप से संचालित करने के उद्देश्य से नगर के प्रत्येक क्षेत्र से समाज के सक्रिय सदस्यों को जोड़कर आपने एक सुदृढ़ संगठन बनाया, जिसमें आपको गोलालारीय समाज के अध्यक्ष के रुप में निर्विरोध चुना गया। आपके कार्यकाल में संगठन ने उत्तरोत्तर उन्नति कर जरुरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता व आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए पुस्तकें और स्कूल फीस जमा करने की योजना निरंतर चलाई गई। आपके मार्गदर्शन में समाज सदस्यों की पारिवारिक पत्रिका 'गोलालारीय प्रयास' का प्रकाशन व समाज का स्नेह सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

समाज को आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं व्यवस्थित रुप से संचालित करने के उद्देश्य से अनेकों वर्षों से लंबित 'समाज ट्रस्ट' को बनाने के लिए सदस्यों में आम सहमति बनाते हुए वर्ष 2000 में ट्रस्ट का गठन किया गया और आपने गोलालारीय दिगंबर जैन समाज न्यास के संस्थापक अध्यक्ष के रुप में एक क्रियाशील संगठन खड़ा कर दिया जो आज इन्दौर की समग्र जैन समाज व पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए हैं। ट्रस्ट का गठन होने के साथ ही आपने स्वेच्छा से अध्यक्ष पद का त्याग कर समाज को एक नवीन कमेटी के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। नवीन कमेटी के गठन पश्चात समाज के प्रति आपके उत्कृष्ट कार्यों को ध्यान रख आपको न्यास के स्थाई ट्रस्टी के रूप में मनोनीत किया गया।

14 वर्ष पूर्व में इन्दौर समाज संगठन ने देश के सभी गोलालारीय परिवारों को जोड़ने व समाज सदस्यों की सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी और समाज के प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धियों को संपूर्ण समाजजनों के सम्मुख रखने के उद्देश्य से गोलालारीय समाज का एक मुखपत्र प्रकाशित करने का विचार करा। संस्थापक संपादक के रुप में 'गोलालारीय दर्शन' का प्रकाशन कर इस मुखपत्र को देशभर के सभी गोलालारीय परिवारों तक नि:शुल्क पहुँचाने का सहर्ष बीड़ा उठाया, जो आज भी निरंतरता लिये हुए है। आपका यह अमर प्रयास गोलालारीय समाज को सदैव स्मरणीय रहेगा।

सद्ग्रहस्थ श्री राजेन्द्र दादा ऐसे श्रेष्ठ श्रावकों में से एक थे जो प्रतिदिन पूजा, अभिषेक, स्वाध्याय सुनना उनकी नित्य चर्या में अनिवार्य रुप से शामिल था। आप काफी मितव्ययी व स्पष्ट वक्ता रहें। आप बहुत ही मनमोहक भजन लिखते थे, आपकी लिखावट बहुत ही सुन्दर थी और उन भजनों को अपनी मधुर आवाज में बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुति देते थे। आप की स्मृति में परिजनों ने आपके द्वारा रचित भजनों की डायरी में से कुछ सुंदर भजनों की पुस्तिका प्रकाशित कर समाजजनों को भेंट की हैं।

आपके मार्गदर्शन में अनेकों कार्यक्रमों का सफल आयोजन होता रहा। समाज के लिए बहुउद्देश्यीय मांगलिक भवन, नवीन मंदिर हेतु भूमि क्रय कर मंदिरजी का निर्माण की योजना बनाना या सांस्कृतिक कार्यक्रमों व हाल ही में संपन्न गोलालारीय समाज के प्रथम पंचकल्याणक महोत्सव में आपका योगदान व मार्गदर्शन सदैव मिलता रहा।

आप स्पष्ट वक्ता के साथ अपनी बातों को गंभीरता से रखने में माहिर थे आप समाज संगठन से निरंतर जुड़े रहे व अपने अमूल्य सुझाव देकर संगठन में नई प्रेरणा भरते रहे। आपके जाने से इन्दौर गोलालारीय समाज में जो रिक्तता आयी है जिसे पूर्ण कर पाना असंभव है। आपका समाज के प्रति जो समर्पण भाव रहा है ऐसा भाव बिरले लोगों में ही देखने को मिलता है। गोलालारीय समाज न्यास व गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हम सब आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सादर नमन करते है।

- राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मान-2023 से सम्मानित हुए विशाल जैन पवा।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 162वीं जयंती पर श्री सत्य इंदिरा फाउंडेशन (एस एस आई एफ) ने अहिंसा सेवा संगठन के संस्थापक विशाल जैन पवा को अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मान-2023 से सम्मानित किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. स्मृति सारस्वत ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा की साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साहित्यकार, कवि, लेखक एवं कलाकारों को प्रतिवर्ष यह सम्मान प्रदान किया जाता है। विशाल जैन ने भ्रूण हत्या, जघन्य अपराध महापाप, जैन समाज के उत्थान के लिए परिवार में दो या दो से अधिक संतानों की अनिवार्यता, क्या जैन युवतियों के लिए नौकरी सार्थक है? जैन कन्याओं के लिए विवाह की आयु सीमा क्या? नशा की प्रवृत्ति समाज के लिये अभिशाप, पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण में हमारा दायित्व एवं स्वर्णिम भारत जैसे विषयों पर निबंध व बदलते संस्कार, बचपन का प्यार, बहादुर बेटी शीर्षकों पर लघुकथा। प्रश्नों के उत्तर में कुछ लिखना तो है व्यंग्य। मोबाइल पर बर्बादी का खेल, संस्मरण सहित अनेक विधा में लेख और माँ, पिता, जीवन का पतझड़, मोबाइल की यथार्थता, नव सम्वतसर की छटा निराली, होली की हुडदंग, गुजरे जमाने, जेठ मास में तपती गर्मी, आपदा में अवसर आदि अनेक शीर्षकों पर कविताएं, जिंदगी और चाहत शीर्षकों पर गजल लिखी हैं एवं अन्न खाओगे तो अनाज की पैदावार बढ़ेगी का नारा दिया।

विशाल जैन ने आचार्य अकादमी चुलियाणा, रोहतक (हरियाणा) द्वारा आयोजित 18वें राष्ट्रीय साप्ताहिक कविता प्रतियोगिता प्रदत विषय नव संवत्सर की छटा निराली में द्वितीय एवं 19वें राष्ट्रीय साप्ताहिक कविता प्रतियोगिता प्रदत विषय जीवन का पतझड़ में दसवां स्थान प्राप्त किया।

निवास पते में संशोधन हेतु - कुछ नगरों में कुछ समाजजनों को **'गोलालारीय दर्शन'** पत्रिका नहीं पहुंच पा रही हैं, उन सदस्यों से हमारा निवेदन है कि वे अपने डाक का पूर्ण पता मकान नंबर व नगर के पिनकोड सहित **गोलालारीय दर्शन** के मोबाइल नंबर 9109713136 पर भेज देवें, ताकि सुधार करके पत्रिका पहुंचाने की व्यवस्था की जा सके।

पयूर्षण पर्व - पर्यूषण पर्व 19 सितम्बर से प्रारंभ हो रहे हैं गोलालारीय दर्शन के सभी पाठकों से निवेदन है कि वे अपने नगर, अपने मंदिर में इस अवसर पर हो रहे सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी **दिनांक 30 सितम्बर** तक गोलालारीय दर्शन के मोबाइल नंबर 9109713136 पर भेज देवें।